।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

मानविकी विद्याशाखा

Choice Based Credit System
रूचि आधारित साख पध्दति पाठ्यक्रम

बी. ए. तृतीय वर्ष कला - हिंदी

पंचम एवं षष्ठ सत्र
(V & VI Semester)

(w. e. f. June 2020)

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी पाठ्यक्रम (CBCS)

रूचि आधारित साख पद्धति

पंचम सत्र (V Semester)

Course Code	Course Type	Title of the Course	Credits	Contact Hours / per semester
MIL III Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	संपादन लेखन और साहित्य (मुद्रित माध्यम)	03	45
DSC- E (A) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	विशेष विधा : यात्रा साहित्य	03	45
	OR			
DSC- E (B) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	प्रयोजनमूलक हिंदी	03	45
SEC-III Hindi	Skill Enhancement Course (SEC)	हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल	02	30
DSE-III (A) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)	03	45
DSE-IV (A) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	हिंदी भाषा का विकास	03	45
GE-I (A) HINDI	Generic Elective (G.E)	हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा	03	45

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी पाठ्यक्रम (CBCS)

रूचि आधारित साख पद्धति

षष्ठ सत्र (VI Semester)

Course Code	Course Type	Title of the Course	Credits	Contact Hours / per semester
MIL IV HINDI	Discipline Specific Core Course (DSC)	हिंदी सिनेमा और साहित्य : (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम)	03	45
DSC- F (A) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	विशेष विधा : भारतीय संत काव्य	03	45
	OR	वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
DSC- F (B) Hindi	Discipline Specific Core Course (DSC)	प्रयोजनमूलक हिंदी	03	45
SEC-IV Hindi	Skill Enhancement Course (SEC)	हिंदी भाषा का मानकीकरण और अशुद्धि शोधन	02	30
DSE-III (B) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	03	45
DSE-IV (B) Hindi	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	भाषा विज्ञान	03	45
GE-I (B) HINDI	Generic Elective (G.E)	खानदेश का लोक साहित्य	03	45

सूचनाएँ :-

- AEC - English Communication यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। तृतीय वर्ष में प्रवेशित प्रत्येक छात्र के लिए यह पाठ्यक्रम पढ़ना अनिवार्य हैं।
- एमआयएल (MIL) यह पाठ्यक्रम भी अनिवार्य है। तृतीय वर्ष में प्रवेशित मानव विज्ञान विद्याशाखा के छात्र अपने महाविद्यालय में उपलब्ध मराठी, हिंदी, संस्कृत, पाली, अर्धमागधी, उर्दू इन भाषाओं में से किसी एक भाषा के पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
- DSC : इसके अंतर्गत छात्रों को तीन विषयों का चयन करना है। हिंदी विषय में रूचि एवं आस्था रखने वाले छात्र इन तीन में से एक पाठ्यक्रम हिंदी का ले सकते हैं। कुछ महाविद्यालयों में इसके विकल्प में छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का भी अध्ययन करते है वहाँ के छात्र इन दोनों में से किसी एक विकल्प का चयन कर सकते हैं।
- SEC : इसके अंतर्गत महाविद्यालय में उपलब्ध किसी भी एक विषय का चयन करना अनिवार्य हैं।
- GE : इसके अंतर्गत भी छात्रों को महाविद्यालय में उपलब्ध किन्हीं दो विषयों का चयन करना अनिवार्य हैं।

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
MIL III - HINDI : संपादन लेखन और साहित्य (मुद्रित माध्यम)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- छात्रों को संपादकीय कला से अवगत कराना।
- संपादक की योग्यता, दायित्व और महत्त्व से परिचित करना।
- संपादकीय लेखन के तत्त्व और प्रविधि को दर्शाना।
- विभिन्न समाचार पत्र और पत्रिकाओं के उल्लेखनीय संपादकीय से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : संपादन

1) संपादन : अवधारणा, उद्देश्य और आधारभूत तत्त्व।
2) संपादन : निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ।
3) संपादन कला के सामान्य सिध्दांत।

इकाई II : संपादक :

1) संपादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।
2) संपादकीय लेखन के प्रमुख तत्त्व।
3) संपादकीय लेखन की प्रविधि।

इकाई III : उल्लेखनीय संपादकीय :

अ) प्रमुख हिंदी समाचार-पत्रों के उल्लेखनीय संपादकीय :-

1) दै. नई दुनिया, दि. 15 अगस्त 2016, संपादकीय - `विश्व में हिंदी का निरंतर विस्तार`।
2) दै. नवभारत टाइम्स, दि. 25 अप्रैल 2019, संपादकीय - `वातावरण और विकास`।
3) दै. राष्ट्रीय जागरण, दि. 8 सितम्बर 2019, संपादकीय - `हम होंगे कामयाब`।

4) दै. अमर उजाला, दि. 20 नवम्बर 2019, संपादकीय - `दूरसंचार क्षेत्र में हलचल`।

5) दै. भास्कर, दि. 3 जनवरी 2020, संपादकीय - `उम्मीदवारी का फार्मूला`।

6) दै. जनसत्ता, दि. 23 मई 2020, संपादकीय - `जीवट का सफर`।

आ) प्रमुख हिंदी पत्रिकाओं के उल्लेखनीय संपादकीय :-

1) आलोचना त्रैमासिक 49, सहस्राब्दी अंक उनचास, अप्रैल-जून 2013, संपादकीय - `रचने की न्यूनतम अर्हता` संपादक - अरूण कमल।

2) नया ज्ञानोदय, अंक 62, अप्रैल 2008 (भारतीय ज्ञानपीठ की मासिक पत्रिका), संपादकीय - `दस्तख़त` संपादक - रवींद्र कालिया।

3) बहुवचन, हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका, अंक 37, अप्रैल-जून 2013, संपादकीय - आरंभिक - `दूसरे समय में कहानी`, संपादक - अशोक मिश्र।

4) सामयिक सरस्वती - शब्दों का उत्सव, वर्ष 4, अंक 13-14 (थर्ड जेंडर विशेषांक) (सामयिक प्रकाशन का त्रैमासिक), संपादकीय - जारी है अस्तित्व की लड़ाई, संपादक - शरद सिंह।

5) जनपथ, जून-जुलाई 2011, संपादकीय - पहली हराई - `कुछ और सामान की तलाश`, संपादक - अतिथि संपादक - राजकुमार राकेश।

6) वागर्थ, अंक 24, मार्च 1997, संपादकीय - `सिर्फ शोकगीत नहीं`, संपादक - प्रभाकर श्रोतिय।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :

- छात्र संपादकीय कला से अवगत होंगे।
- छात्र संपादक की योग्यता, दायित्व और महत्त्व से परिचित होंगे।
- छात्रों को संपादकीय लेखन के तत्त्व और प्रविधि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विभिन्न समाचार-पत्र और पत्रिकाओं के संपादकीय से छात्रों का परिचय होगा।

संदर्भ सूची :-

1) प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) आधुनिक पत्रकारिता के विविध आयाम - डॉ. बी. आर बारड / डॉ. डी. एम. दोमडिया, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
3) समाचार संपादन - रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4) भारतीय पत्रकारिता - नए दौर : नए प्रतिमान - संतोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5) खेल पत्रकारिता, सुशील दोषी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
6) समाचार संपादन, कमल दीक्षित, महेश दर्पण, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
7) समाचार-पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC - E (A) HINDI विशेष विधा - यात्रा साहित्य

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC E Hindi (B) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- यात्रा साहित्य विधा के सैद्धांतिक विवेचन से छात्रों को अवगत कराना।
- यात्रा साहित्य विधा के विकासात्मक परिचय से छात्रों को परिचित कराना।
- यात्रा साहित्य विधा के प्रमुख साहित्यकार तथा उनके यात्रा वर्णन का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति के माध्यम से छात्रों में यात्रा साहित्य लेखन की कला से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई 1 : **यात्रा साहित्य विधा** : **सैद्धांतिक विवेचन**

1) शाब्दिक अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, प्रकार।
2) यात्रा साहित्य का प्रयोजन, महत्त्व एवं प्रमुख विशेषताएँ।
3) यात्रा साहित्य विधा का अन्य विधाओं से परस्पर संबंध।

इकाई 2 : **यात्रा साहित्य विधा का विकासात्मक अध्ययन**

1) भारतेन्दु पूर्व युग तथा भारतेन्दू युग।
2) द्विवेदी युग तथा छायावादी युग।
3) छायावादोत्तर युग / स्वातंत्र्योत्तर युग तथा समकालीन यात्रा साहित्य।
4) यात्रा साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों तथा उनके यात्रा वर्णनों का सामान्य परिचय।

इकाई 3 : **साहित्य कृति** :

`**मेरी जापान यात्रा**` - **राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज**, श्री गुरुदेव प्रकाशन, गुरूकुंज आश्रम,
तहसील-तिवसा, जिला - अमरावती

i) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज : जीवन एवं रचना परिचय
ii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति का तात्त्विक विवेचन एवं विश्लेषण।
iii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्यिक कृति का आशय, विषय एवं प्रमुख उद्देश्य।
iv) `मेरी जापान यात्रा` में चित्रित यथार्थता तथा प्रत्यक्ष अनुभव कथन।
v) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति की कलात्मकता तथा पात्र एवं चरित्रांकन।
vi) `मेरी जापान यात्रा` में चित्रित परिवेशगत चित्रण तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
vii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति की प्रासंगिकता एवं महत्त्व।
viii) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति की प्रमुख विशेषताएँ।
ix) `मेरी जापान यात्रा` इस साहित्य कृति का शिल्पगत अध्ययन एवं विश्लेषण।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्रों को यात्रा साहित्य विधा का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त हो जाएगा।
- पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्र को यात्रा साहित्य विधा का विकासात्मक परिचय प्राप्त हो जाएगा।
- पठित साहित्य कृति के माध्यम से छात्र यात्रा साहित्य लेखन की कला को आत्मसात करेंगे।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी यात्रा साहित्य और स्त्री यात्रा साहित्यकार - डॉ. बळीराम धापसे, कीर्ति प्रकाशन, 17, रचनाकार कॉलनी, देवगिरी कॉलेज के पास, औरंगाबाद - 431005
2) हिंदी का यात्रा साहित्य - रेखा उप्रेती, हिंदी बुक सेंटर, आसफ अली रोड, नई दिल्ली- 02
3) यात्रा साहित्य : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य - प्रकाश मोकाशी, युनिवर्सिटी बुक हाऊस (प्रा.) लि., जयपूर - 03
4) राहुल सांकृत्यायन : घुमक्कड शास्त्र और यात्रावृत्त - जानकी पांडेय, ज्ञानभारती, रूपनगर, दिल्ली-02
5) हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य - प्रतापलाल शर्मा, अमर प्रकाशन, सदर बाजार, मथुरा-01
6) हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्युत्तर यात्रा साहित्य - हरेश स्वामी, अन्नपूर्णा प्रकाशन, साकेत नगर, कानपुर-04

7) यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास - सुरेन्द्र माथुर, साहित्य प्रकाशन, मालीवाडा, दिल्ली
8) साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-02
9) हिंदी यात्रा साहित्य स्वरूप और विकास - मुरारीलाल शर्मा, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली - 15
10) हिंदी विधाएँ : स्वरूपात्मक अध्ययन - वैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
11) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के काव्य में सामाजिक चेतना - डॉ. पंढरीनाथ शिवदास पाटील

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC E (B) HINDI प्रयोजनमूलक हिंदी

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC E Hindi (A) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- कार्यालयी भाषा हिंदी से छात्रों को अवगत कराना।
- कम्प्यूटर और हिंदी भाषा प्रयोग तथा कम्प्यूटर और रोजगार से छात्रों को अवगत कराना।
- टिप्पण के स्वरूप, उद्देश्य, प्रक्रिया तथा टिप्पणी के तत्व एवं नियमों से छात्रों को अवगत कराना।
- कार्यक्रम पत्रिका, कार्यालयी पत्रिका विवरण, कार्यवृत्त, रिपोर्ट, सचिव के कार्य, पदनाम लेखन, टेबल पट्ट, सूचना पट्ट आदि से छात्रों को परिचित कराना।
- कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना से छात्रों को परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : कार्यालयी भाषा हिंदी तथा कम्प्युटर :

अ) कार्यालयी भाषा हिंदी : स्वरूप, विशेषताएँ, कार्यालयी भाषा के रूप में हिंदी का विकास, हिंदी के प्रयोग का सांविधानिक प्रावधान, राष्ट्रपति के आदेशों का सामान्य परिचय, हिंदी प्रयोग की समस्याएँ।

आ) कम्प्यूटर : परिचय एवं महत्त्व, कम्प्यूटर और हिंदी भाषा प्रयोग, हिंदी की प्रमुख वेबसाईट्स, विभिन्न क्षेत्रों में कम्प्यूटर का योगदान, शिक्षा क्षेत्र में कम्प्यूटर, बैंकों में कम्प्यूटर, कम्प्यूटर और रोजगार।

इकाई II : टिप्पण तथा कार्यालयी कार्यसूची :-

अ) टिप्पण (Noting) : स्वरूप, उद्देश्य, प्रकार, प्रक्रिया, टिप्पणी के तत्त्व एवं नियमों की जानकारी।

आ) कार्यालयी कार्यसूची : कार्यक्रम पत्रिका (अजेंडा), कार्यालयी पत्रिका विवरण, कार्यवृत्त, बैठक की रिपोर्ट, सचिव के कार्य, पदनाम लेखन, टेबल पट्ट, सूचना पट्ट लेखन की आवश्यकता।

इकाई III : **कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना** :

अ) हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम, परीक्षा, पाठ्यक्रम, पारिभाषिक शब्दावली एवं शब्दकोश निर्माण, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि का महत्त्व।

आ) केंद्रीय हिंदी निदेशालय, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, सूचना एवं तकनीकी शब्दावली आयोग तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो का परिचय।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :

- कार्यालयी भाषा हिंदी का विस्तृत ज्ञान छात्रों को नौकरी अथवा रोजगार के रूप में लाभदायी सिध्द होगा।
- कम्प्यूटर का परिचय एवं महत्व तथा कम्प्यूटर और हिंदी भाषा का प्रयोग आदि के अध्ययन से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
- सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त टिप्पण का स्वरूप, महत्व, नियमों की जानकारी नौकरी में लाभदायी सिध्द होगी।
- कार्यक्रम पत्रिका (अजेंडा), कार्यवृत्त, बैठक की रिपोर्ट, सचिव के कार्य आदि का अध्ययन प्रशासकीय परीक्षाओं में फलदायी होगा।
- कार्यालयी हिंदी क्रियान्वयन योजना का ज्ञान प्राप्त कर छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

✦ **संदर्भ ग्रंथ** -

1) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
2) जनसंचार माध्यमों में हिंदी - डॉ. चंद्रकुमार, क्लासिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
4) हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप - डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद
5) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 2, 3) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर
6) व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनूपचंद्र भयाणी, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली
7) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत एवं प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8) देवनागरी विकास परिवर्तन और मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
कौशल विकास संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC - III)
SEC III - HINDI : हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- छात्रों को हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत कराना।
- छात्रों को हिंदी शब्द संसाधन से परिचित कराना।
- छात्रों को संक्षेपण करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- छात्रों को पल्लवन करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- वक्तृत्व कला-कौशल की जानकारी से छात्रों को परिचित कराना।
- वाद-विवाद कला-कौशल की जानकारी से छात्रों को परिचित कराना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : शब्द भेद तथा शब्द संसाधन :-

अ) शब्द भेद :- **विकारी और अविकारी**

1) **विकारी शब्द** : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया आदि का सामान्य परिचय एवं प्रकार (भेद)।

2) **अविकारी शब्द (अव्यय)** : क्रियाविशेषण अव्यय, संबंधसूचक अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय एवं विस्मयादिबोधक अव्यय आदि का सामान्य परिचय एवं प्रकार (भेद)।

आ) शब्द-संसाधन :-

i) पर्यायवाची शब्द ii) विलोम शब्द iii) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

इकाई II : अभिव्यक्ति कौशल : मौखिक तथा लिखित :-

अ) मौखिक अभिव्यक्ति कौशल :-

i) **वक्तृत्व** : वक्तृत्व शब्द का अर्थ, वक्तृत्व कला एवं शास्त्र, वक्तृत्व के तत्त्व, वक्तृत्व का महत्त्व, वक्तृत्व प्रतियोगिता के नियम, उत्तम वक्ता की विशेषताएँ।

ii) **वाद-विवाद** : वाद-विवाद से तात्पर्य, वाद-विवाद के रूप (संसदीय वाद-विवाद, मेस वाद-विवाद, सार्वजनिक वाद-विवाद, प्रतियोगितात्मक वाद-विवाद, हास्य वाद-विवाद), वाद-विवाद प्रतियोगिता के सामान्य नियम।

आ) लिखित अभिव्यक्ति कौशल :-

i) **संक्षेपण (सारलेखन)** :- संक्षेपण का महत्त्व, संक्षेपण की विशेषताएँ, संक्षेपण की प्रक्रिया, संक्षेपण-लेखन।

ii) **पल्लवन** :- पल्लवन का महत्त्व, पल्लवन की विशेषताएँ, पल्लवन की प्रक्रिया, पल्लवन-लेखन।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- व्याकरण के कारण हिंदी भाषा के मानक रूप को समझा जाएगा।
- हिंदी भाषा की संरचनात्मक ढाँचे की समझ छात्रों में आएगी।
- हिंदी भाषा का शुद्ध-लेखन करने की क्षमता विकसित होगी।
- पत्रकारिता, प्रकाशन विभाग, पटकथा लेखन आदि व्यावसायिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
- स्पर्धात्मक परीक्षा में (लिखित और मौखिकी) इसकी उपयोगिता सिध्द होगी।
- अभिव्यक्ति कौशल की क्षमता विकसित होगी।
- शब्द-संसाधन के माध्यम से भाषा का शब्द-भंडार बढ़ेगा।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरू, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।

2) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - डॉ. वीरेन्द्रकुमार गुप्ता, एस. चाँद ॲण्ड कंपनी, दिल्ली।

3) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद।

4) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर

5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 1 - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर

6) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण - डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर

7) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी - ओंकारनाथ वर्मा, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ

8) शुद्ध हिंदी - डॉ. जगदीशप्रसाद कौशिक, साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर

9) व्यावहारिक हिंदी - डॉ. ईश्वरदत्त शील, विद्या विहार प्रकाशन, कानपुर

10) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. पुरूषोत्तम वाजपेयी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

11) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपुर

12) वाद-विवाद प्रतियोगिता : पक्ष और विपक्ष - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल, डॉ. मीना अग्रवाल, डायमंड बुक्स, दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE HINDI III (A) हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)
पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- हिंदी साहित्य का काल विभाजन तथा नामकरण से छात्रों को अवगत कराना।
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।
- भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाकारों से छात्रों को परिचित कराना।
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना।

इकाई I : **हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण तथा आदिकालीन साहित्य** :-

अ) हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण :-

i) हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण।

ii) आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

iii) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

iv) रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

v) विद्यापति एवं गोरखनाथ का साहित्यिक परिचय।

vi) निम्नलिखित काव्यकृतियों का संक्षिप्त अध्ययन :

- पृथ्वीराज रासो - चंदबरदाई
- पहेलियाँ, मुकरियाँ - अमीर खुसरो

इकाई II : **भक्तिकाल** : **सामान्य परिचय** :-

i) पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

ii) निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियों का परिचय :

- ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर
- प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी
- रामभक्ति शाखा - तुलसीदास
- कृष्णभक्ति शाखा - सूरदास
- निम्नलिखित काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय।
    1) पद्मावत - जायसी
    2) विनय पत्रिका - तुलसीदास

इकाई III : **रीतिकाल** : **सामान्य परिचय** :-

i) पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, तथा साहित्यिक।

ii) रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

iii) कवि परिचय - बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण का परिचय।

iv) निम्नलिखित काव्य कृतियों का संक्षिप्त अध्ययन।

1) कवित्त - घनानंद
2) शिवा बावनी - भूषण

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण से छात्र परिचित हो जायेंगे।
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों, तथा प्रमुख रचनाओं का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्र परिचित होंगे।

- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं का ज्ञान छात्रों को मिलेगा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट-नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिध्द होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी
5) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी
6) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
7) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - शिवकुमार शर्मा

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE-IV (A) HINDI हिंदी भाषा का विकास

पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- भाषा की परिभाषाओं तथा विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
- भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- विविध बोलियों के सामान्य परिचय से छात्रों को परिचित कराना।
- भाषा के व्युत्पत्ति विषय सिध्दांत से छात्रों को परिचित कराना।
- हिंदी के प्रचार एवं प्रसार में खान्देश के साहित्यकारों के योगदान से छात्रों को अवगत कराना।
- हिंदी के प्रचार एवं प्रसार में विविध संस्थाओं के योगदान को उजागर करना।

इकाई I : **भाषा का सैद्धांतिक विवेचन** :-

i) भाषा की परिभाषा, स्वरूप तथा भाषा की विशेषताएँ।

ii) भाषा के विविध रूप : बोली, परिनिष्ठित भाषा, प्रादेशिक भाषा, राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा।

iii) बोली और परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा और राष्ट्रभाषा का पारस्परिक अंतर एवं संबंध।

इकाई II : **हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय तथा भाषा व्युत्पत्ति विषयक सिध्दांत**:-

अ) हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय :- ब्रज, अवधी, खड़ी बोली, भोजपुरी, दखिखनी, मारवाडी तथा मैथिली (इनके संबंध में भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य संपदा (लिखित-मौखिक), उपबोलियाँ, प्रत्येक बोली की अपनी खास विशेषताएँ आदि बातों की जानकारी अपेक्षित)

आ) भाषा व्युत्पत्ति विषयक सिध्दांत :- दिव्योत्पत्ति सिध्दांत, धातु सिध्दांत, श्रम परिहार सिध्दांत, मनोभावाभिव्यक्ति सिध्दांत, समन्वय सिध्दांत आदि का सामान्य परिचय।

इकाई 3 : हिंदी भाषा के विकास में व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान :-

अ) हिंदी के प्रचार-प्रसार में खान्देश के साहित्यकारों का योगदान : -

1) डॉ. मु. ब. शहा।
2) डॉ. शंकर पुणतांबेकर।
3) डॉ. तेजपाल चौधरी।
4) डॉ. पितांबर सरोदे।
5) डॉ. विश्वास पाटील।

आ) हिंदी के प्रचार-प्रसार में सामाजिक संस्थाओं का योगदान :-

1) ईसाई मिशनरी।
2) ब्रह्म समाज।
3) थिओसॉफिकल सोसायटी।

इ) हिंदी के प्रचार-प्रसार में साहित्यिक संस्थाओं का योगदान :-

1) नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2) हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
3) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा
4) राष्ट्रभाषा प्रचार सभा पुणे
5) दक्षिण भारत प्रचार सभा, मद्रास।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भाषा की परिभाषाओं तथा विशेषताओं से छात्र परिचित होंगे।
- भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त हो जाएगा।
- भाषा की विविध बोलियों से छात्र परिचित होंगे।
- भाषा की व्युत्पत्ति विषयक सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के विकास में खान्देश के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- भाषा के विकास में विविध संस्थाओं के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- सेट / नेट की तथा स्पर्धा परीक्षाओं की पूर्व तैयारी हेतु यह पाठ्यक्रम उपयोगी सिद्ध होगा।
- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्र भाषिक ज्ञान से परिपूर्ण बनेंगे।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
3) भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4) भाषा विचार एवं भाषा विज्ञान - डॉ. कृष्णा पोतदार, डॉ. मधु खराटे
5) सरल भाषा विज्ञान - डॉ. पिताम्बर सरोदे, डॉ. विश्वास पाटील
6) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंत पाटील
7) राष्ट्रभाषा आंदोलन - श्री. गो. प. नेने
8) राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास - सं. गंगाशरण सिंह
9) वैश्विकरण एवं हिंदी मानकीकरण - डॉ हणमंतराव पाटील
10) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
11) हिंदी राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर - सं. डॉ. सुरेश माहेश्वरी

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - पंचम सत्र (V Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
GE- I (A) HINDI हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

पाठ्यक्रम का स्वरूप

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्रों को परिचित कराना।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा का विकासात्मक परिचय प्रस्तुत करना।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों सामान्य परिचय देना।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के योगदान को उजागर करना।
- पाठ्यक्रम में समावेशित कविताओं के आधार पर छात्रों में राष्ट्र के प्रति अस्मिता, स्वाभिमान तथा गौरव का भाव जागृत करना।

इकाई I : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा : सैद्धांतिक विवेचन :-

- राष्ट्रीय काव्यधारा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और प्रमुख विशेषताएँ।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा का उद्‌भव एवं विकास।
- हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों का जीवन एवं रचना परिचय।

इकाई II : भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय काव्यधारा :-

- हमारा राष्ट्र और संस्कृति।
- आधुनिक राष्ट्रीय कविता।
- द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय कविता।

इकाई III : संपादित साहित्य कृति :-

राष्ट्रीय काव्यधारा - डॉ. कन्हैया सिंह

वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014

उपर्युक्त संपादित साहित्य कृति में संकलित निम्न कविताएँ ही पाठ्यक्रम में सम्मिलित रहेगी :

1) मैथिलीशरण गुप्त - सिद्धराज (पंचम सर्ग)।
2) अयोध्यासिंह उपाध्याय - भव्य भारत और भारत का हित।
3) माखनलाल चतुर्वेदी - कैदी और कोकिला तथा अमर राष्ट्र।
4) बालकृष्ण शर्मा `नवीन` - भरत खंड के तुम हे जन-गण, ओ मजदूर-किसान, उठो।
5) रामधारी सिंह दिनकर - शहीद स्तवन तथा जनतंत्र का जन्म।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ -

- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्र परिचित हो जायेंगे।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के विकासात्मक परिचय का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों के जीवन एवं रचनाओं से छात्र परिचित होंगे, जिससे उन्हें भी राष्ट्रीय कविता-लेखन की प्रेरणा मिलेगी।
- पाठ्यक्रम में समावेशित कविताओं के आधार पर छात्रों में राष्ट्र के प्रति अस्मिता, स्वाभिमान तथा गौरव का भाव जागृत हो जाएगा।

✦ संदर्भ सूची -

1) राष्ट्रीय काव्यधारा - डॉ. कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा : एक समग्र अनुशीलन - देवराज शर्मा पथिक, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
3) आधुनिक हिंदी काव्य में राष्ट्रीय चेतना - शुभलक्ष्मी, नचिकेता प्रकाशन
4) हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ - प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5) हिंदी काव्य - भाषा की प्रवृत्तियाँ - भाटिया कैलाशचंद्र, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली
6) छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - कमला प्रसाद पांडेय, रचना प्रकाशन, दिल्ली
7) हमारे कवि : हिंदी के बत्तीस प्रमुख प्राचीन और नवीन कवियों के जीवन और काव्य की आलोचना - गुरा राजेंद्रसिन्हा, साहित्य भवन,दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
MIL IV - HINDI : सिनेमा और साहित्य : (ईलेक्ट्रॉनिक माध्यम)

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- छात्रों को हिंदी सिनेमा के इतिहास से अवगत कराना।
- सिनेमा और भारतीय समाज के संबंध का परिचय देना।
- हिंदी सिनेमा के तकनीकी पक्ष से परिचित कराना।
- साहित्यकृति पर आधारित सिनेमा से परिचित करवाना।
- `मोहनदास` की कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ को दर्शाना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : प्रारंभिक सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

1) प्रारंभिक दौर का हिंदी सिनेमा।
2) स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा।
3) हिंदी सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ।

इकाई II : हिंदी सिनेमा का तकनीकी पक्ष

1) फिल्म निर्माण की प्रक्रिया।
2) सिनेमा की पटकथा - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, पटकथा लेखन की प्रक्रिया।
3) सिनेमा के संवाद - अर्थ, स्वरूप, संवाद लेखन की प्रक्रिया, भाषा-शैली।

इकाई III : `उदय प्रकाश` द्वारा लिखित `मोहनदास` इस लंबी कहानी पर बनी फिल्म `मोहनदास` का समीक्षात्मक अध्ययन।

1) कथा-पटकथा में अंतर।
2) कहानी के पात्र एवं फिल्म के पात्र में आया परिवर्तन।
3) संवाद, भाषा-शैली में आया परिवर्तन।

पाठ्यपुस्तक - **मोहनदास**

लेखक - उदय प्रकाश

प्रकाशक - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Film Link : https://youtu.be/30zN6PWMJ5I

निर्देशक - मज़हर कामरान

निर्मिति - वर्तिका फिल्म प्रा. लि.

कथा-पटकथा संवाद - उदय प्रकाश

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :

- छात्र हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिकता से अवगत होंगे।
- छात्रों को हिंदी सिनेमा और भारतीय के संबंध की जानकारी प्राप्त होगी।
- छात्रों को हिंदी सिनेमा के तकनीकी पक्ष का ज्ञान प्राप्त होगा।
- `मोहनदास` साहित्यकृति पर आधारित सिनेमा से छात्रों का परिचय होगा।
- छात्रों को `मोहनदास` की कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ का परिचय होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) भारतीय हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा - डॉ. देवेंद्रनाथ सिंह, डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, पैसिफिक पब्लिकेशन, एन-187, शिवाजी चौक, सादतपुर, एक्सटेंशन, दिल्ली-110094
2) भारतीय सिनेमा का अंत:करण - विनोद दास, मेधा बुक्स, एक्स-11, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
3) साहित्य और सिनेमा : बदलते परिदृश्य में संभावनाएँ और चुनौतियाँ - संपा. डॉ. शैलजा भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन, 3 ए /119, आवास विकास, हंसपुरम, कानपुर - 208021
4) साहित्य और सिनेमा - संपा. प्रा. पुरूषोत्तम कुंदे, साहित्य संस्थान प्रकाशन, उत्तरांचल कॉलोनी, लोनी बॉर्डर, गाजियाबाद

5) हिंदी साहित्य और फिल्मांकन - डॉ. रामदास तोंडे, लोकवाणी संस्थान, शाहदरा, दिल्ली-13
6) भारतीय सिनेमा एक अनन्त यात्रा - प्रसून सिन्हा, श्री. नटराज प्रकाशन, ए-507/12, साऊथ गांवडी, एक्सटेंशन दिल्ली-110053
7) साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध - नीरा जलक्षत्रि, शिल्पायन प्रकाशन, लेन नं. 1, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 110032
8) फिल्म साहित्य और सिनेमा - विवेक दुबे, संजय प्रकाशन, 4378/ए, डी. 209, जे. एम. डी. हाऊस, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002
9) फिल्म और फिल्मकार - डॉ. सी. भास्कर राव, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 4697/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
10) पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - 110002
11) सिनेमा कल, आज और कल - विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
12) सिनेमा और संस्कृति - डॉ. राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
13) बहुवचन, हिंदी की अंतरराष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका, अंक 39 अक्टूबर-दिसंबर 2013, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का प्रकाशन।

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC - F HINDI (A) विशेष विधा : भारतीय संत काव्य

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC F Hindi (B) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- भारतीय संत काव्य का परिचय कराना।
- भारतीय संत काव्य परंपरा का विकासात्मक परिचय करवाना।
- भारतीय संतों के काव्य का अध्ययन कराना।
- भारतीय संत काव्य की विशेषताओं तथा उपलब्धियों का परिचय देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : भारतीय संत काव्य : सैद्धांतिक विवेचन :-

1) भारतीय संत काव्य की परंपरा।
2) महिला संत काव्य की परंपरा।
3) संत साहित्य की विशेषताएँ।
4) समाज के निर्माण में संतों का योगदान।
5) संत काव्य की प्रासंगिकता।

इकाई II : हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यग्रंथ `भारतीय संत काव्य` में संकलित निम्न संत कवियों का जीवन एवं रचना परिचय, सामाजिक कार्य तथा प्रथम और द्वितीय क्रम पर प्रकाशित दो पद अध्ययनार्थ रखे गए हैं।

1) संत तिरूवल्लुवर - तमिलनाडु
2) संत बसवेश्वर - कर्नाटक
3) संत नामदेव - महाराष्ट्र
4) संत कबीरदास - उत्तर प्रदेश
5) संत नरसी मेहता - गुजरात
6) संत रैदास - राजस्थान

इकाई III : हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यग्रंथ 'भारतीय संत काव्य' में संकलित निम्न महिला संत कवयित्रियों का जीवन एवं रचना परिचय तथा प्रथम और द्वितीय क्रम पर प्रकाशित दो पद अध्ययनार्थ रखे गए हैं।

1) संत कवयित्री अण्डाल - तमिलनाडु
2) संत कवयित्री अक्कमहादेवी- कर्नाटक
3) संत मीराँबाई - राजस्थान
4) संत लल्लेश्वरी - कश्मीर
5) संत मुक्ताबाई - महाराष्ट्र
6) संत ताजबीवी - उत्तर भारत

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भारतीय संत काव्य से छात्र परिचित होंगे।
- भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परिवेश तथा परंपराओं का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों के संतों का जीवन परिचय, रचना परिचय तथा संतों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- पाठ्यग्रंथ में संकलित संतों तथा संत कवयित्रियों के पद पढ़कर छात्रों के मन में मूल्य संवर्धन तथा संरक्षण की प्रेरणा जगेगी।
- संतों द्वारा किए गए सामाजिक कार्य तथा लिखें गए पदों से छात्र प्रेरित एवं प्रोत्साहित होंगे।

संदर्भ :

1) हिंदी के जनपद संत - जगजीवन राम
2) भारत की महिला संत - वासंती साळवेकर
3) भारतीय नारी संत परंपरा - बलदेव वंशी
4) भक्ति के आयाम - डॉ. पी. जयरामन

5) कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद्र तिवारी

6) संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ - डॉ. सुनील कुलकर्णी

7) भक्तिकाल की प्रासंगिकता - डॉ. संजय शर्मा

8) भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार - डॉ. विष्णुदास वैष्णव

9) भारतीय भक्तिसाहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता - डॉ. सुनील कुलकर्णी

10) सामाजिक समरसता के अग्रदूत संत कवि - डॉ. सुनील कुलकर्णी

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSC F HINDI (B) प्रयोजनमूलक हिंदी

(इस पाठ्यक्रम के विकल्प में छात्र DSC F Hindi (A) इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।)

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- वाणिज्यिक पत्रलेखन की छात्रों को जानकारी देना।
- बैंकिंग के कार्यव्यवहार से छात्रों को अवगत कराना।
- विज्ञापन का महत्त्व एवं आवश्यकता, विज्ञापन की भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग आदि की छात्रों को जानकारी देना।
- शब्द संसाधन से छात्रों को परिचित कराना।
- साक्षात्कार (भेटवार्ता) की छात्रों को जानकारी देना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : वाणिज्यिक पत्रलेखन तथा बैंकिंग व्यवहार :-

अ) वाणिज्यिक पत्रलेखन : पूछताछ पत्र, आदेश पत्र, शिकायत पत्र, साख पत्र, क्षतिपूर्ति पत्र, तकादे का पत्र।

आ) बैंकिंग व्यवहार : बैंकिंग कार्यव्यवहार का ज्ञान - खाता खोलना, खाता बंद करना, बैंक में धन जमाकर्ता की नियमावली, चेक, हुंडी, ड्राफ्ट, लेखा परीक्षा (Audit) की जानकारी, विविध प्रकार के कर्ज-योजनाओं की जानकारी।

इकाई II : विज्ञापन लेखन तथा साक्षात्कार लेखन :-

अ) विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप, महत्त्व एवं आवश्यकता, विज्ञापन के प्रकार विज्ञापन की भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग, विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन तैयार करना।

आ) साक्षात्कार लेखन : साहित्यिक, कलाकार, पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, स्वतंत्रता सेनानी, उद्योगपति, खिलाडी, कार्यालयीन अधिकारी। भेटवार्ता का प्रारूप।

इकाई III : **शब्द संसाधन** :-

अ) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

आ) समानार्थी शब्द

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- छात्रों को वाणिज्यिक पत्रलेखन का ज्ञान भविष्य में व्यवसाय के दृष्टि से लाभदायी सिध्द होगा।
- व्यावहारिक बैंकिंग का विस्तृत ज्ञान छात्रों को नौकरी, व्यवसाय एवं व्यक्तिगत जीवन में फलदायी सिध्द होगा।
- विज्ञापन के सैध्दान्तिक ज्ञान और अध्ययन से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।
- साक्षात्कार (भेटवार्ता) के प्रारूप का ज्ञान भविष्य में मीडिया और प्रींट मीडिया के क्षेत्र में लाभदायी सिध्द होगा।
- छात्रों के शब्द संसाधन में वृध्दि होगी, जिसका उन्हें भविष्य में लाभ होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद
4) मीडिया और हिंदी - संपा. डॉ. मधु खराटे, डॉ. हणमंत पाटील, राजेंद्र सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
5) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
6) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. रामगोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
7) प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
8) व्यावहारिक हिंदी और रचना - कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
SEC IV - HINDI : हिंदी भाषा का मानकीकरण और अशुद्धि-शोधन

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- हिंदी भाषा के मानक रूप से परिचय कराना।
- देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी संबंधी नियमावली की जानकारी देना।
- शासकीय पत्र प्रारूप-लेखन की क्षमता विकसित करना।
- साक्षात्कार प्रणाली की क्षमता को विकसित करना।
- शुद्ध-लेखन की क्षमता को विकसित करना।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

इकाई I : देवनागरी लिपि तथा हिंदी मानकीकरण के नियम :-

अ) देवनागरी लिपि :- देवनागरी लिपि का परिचय, देवनागरी लिपि के गुण-दोष, परिवर्धित देवनागरी वर्णमाला का परिचय।

आ) केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्रकाशित अद्यतन हिंदी मानकीकरण के नियमावली का अध्ययन :-

मानक भाषा का अर्थ एवं स्वरूप, मानक हिंदी भाषा की उपयोगिता और महत्त्व, मानक हिंदी वर्णमाला का परिचय, हिंदी वर्तनी के मानकीकरण की नियमावली का परिचय, हिंदी के विराम-चिह्नों का परिचय तथा संख्यावाचक शब्दों का लेखन

इकाई II : अशुद्धि शोध नियम, शासकीय पत्राचार प्रारूप लेखन तथा साक्षात्कार लेखन :-

अ) अशुध्दि शोधन नियम : लिंग, वचन, कारक, क्रिया आदि से संबंधित।

आ) शासकीय पत्राचार प्रारूप लेखन :- अर्ध-सरकारी पत्र, सरकारी पत्र, ज्ञापन लेखन, कार्यालयीन आदेश, परिपत्रक तथा अधिसूचना लेखन।

इ) साक्षात्कार लेखन : साक्षात्कार का अर्थ एवं परिभाषा, साक्षात्कार का महत्त्व, साक्षात्कार की विशेषताएँ, साक्षात्कारकर्ता के गुण, साक्षात्कार-लेखन।

✦ उपलब्धियाँ -

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम से छात्रों को हिंदी का मानक रूप सीखने को मिलेगा, जिससे छात्र हिंदी लेखन और उच्चारण शुद्ध रूप में कर सकेंगे।
- यु. पी. एस. सी. परीक्षा में वैकल्पिक साहित्य विषय `हिंदी के पाठ्यक्रम में - `हिंदी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास` एक स्वतंत्र खंड `क` समाविष्ट है। अत: प्रस्तुत पेपर के अध्ययन करने से छात्रों को UPSC परीक्षा की दृष्टि से तैयारी करने में मददगार साबित होगा।
- शुद्ध लेखन की क्षमता विकसित होने से छात्रों को - पत्रकारिता, प्रकाशन विभाग, साहित्य-लेखन आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्ति में आसानी होगी।
- शासकीय पत्राचार के विभिन्न प्रारूप-लेखन की तैयारी प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर हो सकेगी।
- दूरदर्शन, रेडिओ, समाचार-पत्र, पत्रिका आदि क्षेत्रों में साक्षात्कार का अत्यंत महत्त्व है। अत: साक्षात्कार प्रणाली को छात्र अवगत कर लेता है तो उसे इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्रों के व्यक्तित्त्व का विकास होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरू, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
2) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलनाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, HRDM, भारत सरकार (2016)।
4) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी - ओंकारनाथ वर्मा, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 1, 2, 3 - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर।
6) शुद्ध हिंदी - डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर।
7) मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
8) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण - डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।
9) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण - डॉ. नामदेव उतकर, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE HIND-III (B) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

- हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिक काल के साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा रचनाकारों से छात्रों को अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिक काल के पद्य और गद्य साहित्य तथा प्रमुख साहित्यकारों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख उल्लेखनीय कृतियों का छात्रों को परिचय देना।

आधुनिक काल

इकाई I : **आधुनिक काल** : **काव्य** :-

i) भारतेंदुकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।
ii) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।
iii) निम्नलिखित साहित्यिक वादों का परिचय :

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद।

इकाई II : **आधुनिक काल** : **गद्य** :-

i) भारतेंदु पूर्व खडीबोली गद्य का सामान्य परिचय।
ii) साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय -

भारतेंदु, प्रेमचंद, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, रामकुमार वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, जैनेंद्रकुमार।

iii) निम्नलिखित विधाओं का विकासात्मक अध्ययन :-

उपन्यास, कहानी, नाटक।

इकाई III : आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य और गद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय :-

i) **आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय-**

यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त), प्रिय प्रवास (अयोध्यासिंह उपाध्याय), रश्मिरथी (रामधारी सिंह दिनकर), अंधा युग (धर्मवीर भारती), समय से मुठभेड़ (अदम गोंडवी) तथा बाघ और सुगना मुंडा की बेटी - (अनुज लुगुन)।

ii) **आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख गद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय** -

कर्मभूमि (प्रेमचंद), पहला राजा (जगदीशचंद्र माथुर), अंतिम अरण्य (निर्मल वर्मा), आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश), मैला आँचल (फणीश्वरनाथ रेणु), शकुन्तिका (भगवानदास मोरवाल)।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भारतेन्दुकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा।
- द्विवेदीकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा ।
- साहित्यिक वादों का छात्रों को परिचय प्राप्त होगा।
- आधुनिक गद्यकारों के साहित्यिक योगदान से छात्रों का परिचय होगा।
- आधुनिक काल की पद्य एवं गद्य कृतियों से छात्र परिचित होंगे।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को नेट /सेट की परीक्षा तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी
5) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी
6) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
7) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - शिवकुमार शर्मा

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
DSE-IV (B) HINDI भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का स्वरूप

✦ **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** :-

- भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्रों को परिचित कराना।
- भाषा विज्ञान तथा व्याकरण के तुलनात्मक अध्ययन का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- ध्वनि विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
- पद (रूप) विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों से छात्रों को परिचित कराना।
- वाक्य विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।
- अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना।

इकाई I : **भाषा विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, प्रमुख अंग तथा ध्वनि विज्ञान** :-

i) भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग तथा भाषा विज्ञान की व्याकरण से तुलना।

ii) **ध्वनि (स्वन) विज्ञान** :

ध्वनि विज्ञान की व्याख्या, भाषा ध्वनि की परिभाषा, ध्वनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया), ध्वनि वर्गीकरण के आधार (स्थान और प्रयत्न), स्वरों और व्यंजनों का वर्गीकरण, ध्वनिगुण।

इकाई II : **पद विज्ञान तथा वाक्य विज्ञान** :-

i) **पद (रूप विज्ञान)** :-

शब्द, पद, संबंध तत्त्व और अर्थतत्त्व, संबंध तत्त्व के प्रकार।

ii) **वाक्य विज्ञान** :-

वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य में पदक्रम, वाक्य-विभाजन, वाक्य विभाजन के आधार - अग्र-पश्च, उद्देश्य-विधेय तथा उपवाक्यीय।

इकाई III : **अर्थ विज्ञान** :-

i) **अर्थ विज्ञान** :-

शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन का स्वरूप, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण - बल का अपसरण, पीढ़ी परिवर्तन, अन्य भाषाओं का प्रभाव, वातावरण में परिवर्तन, नम्रता प्रदर्शन, अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग, अधिक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग, एक शब्द के दो रूपों का प्रचलन, व्यंग्य, आलंकारिक प्रयोग, वस्तुओं का निर्माण, अज्ञान और असावधानी।

✦ पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ तथा भाषा विज्ञान के विविध अंगों से छात्र परिचित होंगे।
- इस पाठ्यक्रम को पढ़कर भाषा विज्ञान तथा व्याकरण का तुलनात्मक ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- ध्वनि विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- पद (रूप) विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- अर्थ विज्ञान से संबंधित विविध मुद्दों का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा।
- यह पाठ्यक्रम सेट/नेट तथा स्पर्धा परीक्षाओं की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिध्द होगा।

✦ संदर्भ ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी
4. भाषा विज्ञान- डॉ. रामस्वरूप खरे
5. भाषिक हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख
6. भाषा विज्ञान- डॉ. डी. एम. दोमडिया
7. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का इतिहास -डॉ.हणमंतराव पाटील/ सुधाकर शेंडगे
8. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख

9. भाषा विज्ञान एक अध्ययन- गरिमा श्रीवास्तव

10. भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा- डॉ. सुरेश सिंहल

11. भाषा विज्ञान का रसायन- कैलाशनाथ पाण्डेय

12. भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि-रामकिशोर शर्मा

13. भाषा चिन्तन के नये आयाम -रामकिशोर शर्मा

14. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त- -रामकिशोर शर्मा

15. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

16. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - हेतु भारव्दाज

17. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण त्रिपाठी

18. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

19. हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

20. भाषा का संसार - दिलीप सिंह

21. भाषा विचार एवं भाषा विज्ञान - डॉ. कृष्णा पोतदार, डॉ. मधु खराटे

बी. ए. तृतीय वर्ष कला हिंदी - षष्ठ सत्र (VI Semester)
रूचि आधारित (CBCS) पाठ्यक्रम
GE-I (B) HINDI खानदेश का लोकसाहित्य

पाठ्यक्रम का स्वरूप

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- लोकसाहित्य की सैद्धांतिकी से छात्रों को परिचित कराना।
- खानदेश के लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति से छात्रों को अवगत कराना।
- छात्रों को खानदेश की प्रमुख बोलियाँ : अहिराणी, लेवा और आदिवासी के साहित्य से अवगत कराना।
- लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य और लोकोत्सव आदि के माध्यम से खान्देश की लोकसंस्कृति का साक्षात्कार कराना।
- लोकगीत, लोककथा, और लोकनाट्य आदि से संबंधित प्रतिनिधि साहित्य रचना का अध्ययन और विश्लेषण करना।

इकाई I : लोकसाहित्य : सैद्धांतिक विवेचन :-

i) लोकसाहित्य का सैद्धांतिक पक्ष : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ।

ii) खानदेश का लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति का सामान्य परिचय।

iii) लोकसाहित्य के प्रमुख प्रकार : लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य और लोकोत्सवों का परिचय।

iv) खानदेश की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई II : खानदेश की प्रमुख बोलियों का प्रतिनिधि साहित्य : लोकगीत और लोककथा:-

i) अहिराणी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकगीत और एक लोककथा।

ii) लेवा बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकगीत और एक लोककथा।

iii) आदिवासी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकगीत एक लोककथा।

इकाई III : खानदेश की प्रमुख बोलियों का प्रतिनिधि साहित्य : लोकनाट्य और लोकोत्सव का अध्ययन :-

i) अहिराणी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकनाट्य और एक लोकोत्सव का अध्ययन।
ii) लेवा बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकनाट्य और एक लोकोत्सव का अध्ययन।
iii) आदिवासी बोली : प्रातिनिधिक रूप में एक लोकनाट्य और एक लोकोत्सव का अध्ययन।

सूचना :- ईकाई I और ईकाई II में हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक ``खानदेश का लोकसाहित्य`` में खानदेश की प्रमुख बोलियाँ - अहिराणी, लेवा और आदिवासी की साहित्यिक रचनाओं में से प्रथम क्रम पर प्रकाशित रचनाएँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ :-

- लोकसाहित्य की सैद्धांतिकी से छात्र अवगत होंगे।
- खानदेश के लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति से छात्र परिचित होंगे।
- छात्रों को खानदेश की प्रमुख बोलियाँ :- अहिराणी, लेवा और आदिवासी के साहित्य का ज्ञान हो जाएगा।
- लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य और लोकोत्सव आदि से संबंधित प्रतिनिधि साहित्य रचना का अध्ययन और विश्लेषण करने से छात्रों में प्रादेशिक साहित्य के प्रति आस्था और अस्मिता का भाव जागृत होगा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों को लोक भाषा में साहित्य सर्जन की प्रेरणा मिलेगी।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1. लोकसाहित्य शास्त्र (अहिराणी के परिप्रेक्ष्य में)-डॉ. बापूराव देसाई
2. मावची लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. बापूराव देसाई
3. पच्चीस लोक बोलियों का शास्त्र और संस्कृति- डॉ. बापूराव देसाई
4. लोकसाहित्य के प्रतिमान- डॉ.कुंदनलाल उप्रेति
5. लोकसाहित्य के मूल स्त्रोत - डॉ. उर्मिला पाटील

6. लोकसाहित्य का अध्ययन- डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
7. महाराष्ट्र का हिन्दी लोक काव्य -डॉ.कृष्ण दिवाकर
8. लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ.कुलदीप
9. हिन्दी लोकसाहित्य शास्त्र, सिद्धांत और विकास - डॉ.अनुसया अग्रवाल
10. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ.विद्या चौहान
11. लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा
12. लोककथा विज्ञान- श्रीचन्द्र जैन
13. लोकसाहित्य शास्त्र -डॉ.नंदलाल कल्ला
14. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा -दुर्गा भागवत अनु.स्वर्णकांता
15. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ.श्याम परमार
16. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
17. लोकसाहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
18. अहिराणी ओवीगीते : आशय आणि अभिव्यक्ती - डॉ. सुधा खराटे
19. अहिराणी लोकसाहित्य दर्शन (सण आणि उत्सव) - कृष्णा पाटील
20. आदिवासी संस्कृती, भाषा आणि साहित्य - डॉ. पुष्पा गावित
21. पश्चिम खानदेशातील आदिवासी लोकसाहित्य - डॉ. पुष्पा गावित
22. बोली : समाज, साहित्य आणि संस्कृती - डॉ. कैलास सार्वेकर
23. भाषा भूगोल और सांस्कृतिक चेतना - डॉ. विजयचंद्र
24. लोकसाहित्य विविध आयाम एवं नई दृष्टि - डॉ. जयश्री गावित
25. लोकसाहित्य - डॉ. शशिकांत सोनवणे
26. लोकसाहित्य और पावरी भाषा - डॉ. नारायणभाई चौधरी
27. लेवा पाटीदार समाज : एक अन्वयार्थ - डॉ. नि. रा. पाटील

---

* समकक्ष विषयों की सूची *

पंचम सत्र (semester V)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	HIN-351 A हिंदी सामान्य (G-3) -I	1	DSC- E (A) Hindi विशेष विधा : यात्रा साहित्य
2	HIN-351 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - I	2	DSC- E (B) Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी
3	HIN-352 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-III) - I	3	DSE-III (A) Hindi हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)
4	HIN-353 भाषा विज्ञान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-IV) - I	4	DSE-IV (A) Hindi हिंदी भाषा का विकास
5	-	5	MIL III Hindi संपादन लेखन और साहित्य (मुद्रित माध्यम)
6	-	6	SEC-III Hindi हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल
7	-	7	GE-I (A) HINDI हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

षष्ठ सत्र (semester VI)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	HIN-361 A हिंदी सामान्य (G-3) -II	1	DSC- F (A) Hindi विशेष विधा : भारतीय संत काव्य
2	HIN-361 B प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) - II	2	DSC- F (B) Hindi प्रयोजनमूलक हिंदी
3	HIN-362 हिंदी साहित्य का इतिहास(S-III)-II	3	DSE-III (B) Hindi हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
4	HIN-363 भाषा विज्ञान तथा राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास (S-IV) - II	4	DSE-IV (B) Hindi भाषा विज्ञान
5	-	5	MIL IV HINDI हिंदी सिनेमा और साहित्य : (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम)
6	-	6	SEC-IV Hindi हिंदी भाषा का मानकीकरण और अशुद्धि शोधन
7	-	7	GE-I (B) HINDI खानदेश का लोक साहित्य

डॉ. सुनील कुलकर्णी
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव